AGLASEM.COM

कक्षा ९ अर्थशास्त्र नोट्स

संसाधन के रूप में लोग



Key Notes and Important Questions with Answers

अध्याय–2

संसाधन के रूप में लोग

पाठ्य बिन्दु :–

1. मानव पूंजी :– मानव पूंजी–कौशल और उनमें निहित उत्पादन के ज्ञान का स्टॉक है। अथवा भौतिक पूंजी पर लगने वाले श्रम को मानव पूंजी कहते हैं।
2. मानव पूंजी निर्माण :– मानव संसाधनों का और अधिक शिक्षा तथा स्वास्थ्य द्वारा और विकसित किया जाना।
3. मानव संसाधन :– अन्य संसाधनों से श्रेष्ठ है जैसे भूमि, पूंजी इत्यादि क्योंकि ये संसाधन स्वयं अपना उपयोग नहीं कर सकते। यह उत्पादन का एक सजीव, क्रियाशील तथा संवेदनशील कारक है।
4. शिक्षा का महत्व :– श्रम की गुणवत्ता बढ़ाती है, परिणाम स्वरूप उत्पादकता में हुई वृद्धि देश की संवृद्धि में योगदान देती है।
5. जापान में मानव संसाधन पर अधिक निवेश किया गया है।
6. अर्थव्यवस्था के विभिन्न कार्य कलापों को तीन प्रमुख क्षेत्रकों में बाँटा गया है – प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक।
7. प्राथमिक क्षेत्रक :– जो क्रियाएँ सीधे भूमि और जल से जुड़ी हुई हैं जैसे – कृषि, वानिकी, पशुपालन मत्स्यपालन, मुर्गीपालन और खनन।
8. द्वितीयक क्षेत्रक :– उत्खनन और विनिर्माण शामिल है जैसे गन्ने के रस से चीनी बनाना।
9. तृतीयक क्षेत्रक :– सेवाओं से जुड़ी क्रियाएँ जैसे व्यापार पर्यटन सेवाएँ इत्यादि शामिल किए जाते हैं।
10. वह सभी क्रियाएँ जो राष्ट्रीय आय में मूल्यवर्धन करती हैं – आर्थिक क्रियाएं कहलाती है।
11. आर्थिक क्रियाएँ दो प्रकार की हैं :–
    (i) बाजार क्रियाएँ (ii) गैर बाजार क्रियाएँ

- **बाजार क्रियाएँ** :– वेतन या लाभ के उद्देश्य से की गई क्रियाओं के लिए पारिश्रमिक का भुगतान किया जाता है। इनमें सरकारी सेवा सहित वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन शामिल है।
- **गैर बाजार क्रियाएँ** : स्व उपभोग के लिए उत्पादन है इनमें प्राथमिक उत्पादों का उपभोग तथा अचल संपत्तियों का स्वलेखा उत्पादन आता है।

12. जनसंख्या की गुणवत्ता :– जनसंख्या की गुणवत्ता निर्धारित करने वाले कारक – साक्षरता दर तथा व्यक्ति का स्वास्थ्य।

13. सर्वशिक्षा अभियान :– प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

14. मृत्यु दर :– अभिप्राय एक विशेष अवधि में प्रति एक हजार व्यक्तियों के पीछे मरने वाले लोगों की संख्या से है।

15. जन्मदर :– एक विशेष अवधि में प्रति एक हजार व्यक्तियों के पीछे जन्म लेने वाले शिशुओं की संख्या से है।

16. शिशु मृत्यु दर :– अभिप्राय एक वर्ष से कम आयु के शिशुओं की मृत्यु से है।

17. बेरोजगारी :– वह दशा या वह स्थिति है जब प्रचलित मजदूरी दर पर काम करने के लिए इच्छुक लोग रोजगार प्राप्त नहीं करते।

18. मौसमी बेरोज़गारी :– जब लोग वर्ष के कुछ महीनों में रोजगार प्राप्त नहीं कर पाते।

19. प्रछन्न बेरोजगारी :– इसके अंतर्गत लोग नियोजित प्रतीत होते हैं जैसे जहाँ चार व्यक्तियों का काम है और उसी काम को आठ व्यक्ति कर रहे हों।

20. शहरी बेरोज़गारी :– शहरी क्षेत्रों के मामले में शिक्षित बेरोजगारी एक सामान्य परिघटना बन गई है। मैट्रिक, स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारी अनेक युवक रोज़गार पाने में असमर्थ हैं।

21. राष्ट्रीय नीति का लक्ष्य :– जनसंख्या के अल्प सुविधा प्राप्त वर्गों पर विशेष ध्यान देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं, परिवार कल्याण और पौष्टिक सेवा तक इनकी पहुँच को बेहतर बनाना है।

1 अंक वाले प्रश्न :–

1. सर्वशिक्षा अभियान किस आयुवर्ग के बच्चों के लिए चलाया गया है?

2. शिक्षित बेरोज़गार कौन हैं?

3. प्राथमिक क्षेत्रक में सम्पन्न की जाने वाली कोई दो क्रियाएँ लिखिए?

4. जापान का किस संसाधन में अधिक निवेश है?

5. जनसंख्या की गुणवत्ता किन दो कारकों पर निर्भर है?

6. प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने में राज्य और स्थानीय सरकारों ने कौन सा महत्वपूर्ण कदम उठाया है?

7. प्राथमिक शिक्षा में नामाकंन बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा कार्यान्वित की गई कोई एक योजना लिखो?

8. 'जी.एन.पी.' से क्या अभिप्राय है?

9. विद्यालयों में 'दोपहर' के भोजन की योजना का क्या लक्ष्य है?

10. गैर बाजार क्रिया कलाप क्या हैं?

लघु/दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. प्राथमिक क्षेत्रक, द्वितीयक क्षेत्रक से किस प्रकार भिन्न हैं?

2. मानव पूंजी निर्माण में शिक्षा किस प्रकार सहायता करती है?

3. क्या शिक्षा की भांति स्वास्थ्य भी मानव पूंजी के निर्माण को प्रभावित करता है? स्पष्ट कीजिए।

4. सर्वशिक्षा अभियान से आप क्या समझतें हैं?

5. मानव पूंजी निर्माण से क्या अभिप्राय है?

6. राष्ट्रीय नीति का क्या लक्ष्य है?

7. बाजार क्रिया कलाप और गैर बाजार क्रिया कलाप में क्या अन्तर है?

8. बेरोजगार कौन है?

9. बेरोज़गारी से क्या अभिप्राय है? अर्थव्यवस्था पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है?

10. बेरोज़गारी के प्रकार लिखो।

11. मानव पूंजी अन्य संसाधनों जैसे भूमि, श्रम, भौतिक पूंजी से किस प्रकार श्रेष्ठ है?

12. अर्थव्यवस्था के कितने क्षेत्रक हैं? प्रत्येक के विषय में उदाहरण सहित संक्षेप में लिखिए।

13. भारत में साक्षरता दर का वर्णन कीजिए तथा शिक्षा के माध्यम से सरकार ने क्या प्रयास किए है।

14. शिक्षित बेरोज़गारी भारत के लिये किस प्रकार एक चुनौती बन गई है? क्या आप कोई समाधान सुझा सकते है?

15. भारत में बेरोजगारी के कारण लिखिए। बेरोजगारी दूर करने के लिए कुछ उपाय लिखिए।

उत्तर माला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए
2. जो युवक मैट्रिक, स्नातक, स्नातकोतर होने के बावजूद रोजगार प्राप्त नहीं कर पाते हैं, वे शिक्षित बेरोज़गार है।
3. कृषि, वानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन, मुर्गीपालन, खनन्। (कोई दो)
4. मानव संसाधन।
5. साक्षरता दर एवं जीवन प्रत्याशा।
6. सर्वशिक्षा अभियान।
7. सेतु पाठ्यक्रम या स्कूल लौटे शिविर।
8. सकल राष्ट्रीय उत्पाद।
9. विद्यालयों में बच्चो की उपस्थिति को बढ़ावा और उनके पोषण स्थिति में सुधार।
10. स्वयं उपभोग के लिए उत्पादन करना।

लघु/दीर्घ प्रश्नों के उत्तर :–

1.

प्राथमिक क्षेत्रक	**द्वितीयक क्षेत्रक**
i) क्रियाएँ सीधे भूमि और जल से संबंधित हैं।	i) क्रियाएँ वस्तुओं के निर्माण से जुड़ी हुई हैं।
ii) प्रकृति द्वारा प्रदान की गई वस्तुओं पर आधारित होती है।	ii) प्राथमिक क्षेत्रक से प्राप्त कच्चे माल पर आधारित होती है।
iii) उदाहरण : कृषि, पशुपालन खनिज मत्स्य पालन।	iii) उदाहरण : उद्योग जैसे कागज़ तैयार करना, कपड़ा तैयार करना आदि।

2. i) शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। जिसके द्वारा वह ज्ञान और कौशल में निपुण हो जाता है।

ii) शिक्षा मानव को इस योग्य बनाती है कि वह अच्छी नौकरी या पेशा तथा अच्छी आय प्राप्त कर सके।

iii) शिक्षा मानव के लिये क्षेत्रों का विस्तार करती है तथा नई दिशाएँ देती है।

3. i) स्वास्थ्य अपना कल्याण करने का एक आवश्यक आधार है। अस्वस्थ लोग किसी भी संगठन के लिए बोझ बन जाते हैं।

ii) स्वस्थ व्यक्ति अधिक काम, अधिक उत्पादन और अधिक आय सृजन का प्रतीक है।

iii) स्वस्थ व्यक्ति ही अच्छा उत्पादक होता है उस अर्थव्यवस्था के विकास में सहायक होता है।

4. सर्वशिक्षा अभियान 6 से 14 वर्ष आयुवर्ग के सभी स्कूली बच्चों को वर्ष 2010 तक प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

5. i) जब विद्यमान मानव संसाधन को और अधिक शिक्षा तथा स्वास्थ्य द्वारा विकसित किया जाता है।

ii) यह भौतिक पूंजी निर्माण की भांति देश की उत्पादक शक्ति में वृद्धि करता है।

6. राष्ट्रीय नीति का लक्ष्य :– जनसंख्या के अल्प सुविधा प्राप्त वर्गो पर विशेष ध्यान देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं, परिवार कल्याण और पौष्टिक सेवा तक इनकी पहुँच को बेहतर बनाना है।

7.

	बाजार क्रिया कलाप		**गैर बाजार क्रिया कलाप**
i)	वेतन या लाभ के उद्देश्य से की गई क्रियाएँ	i)	स्वउपयोग के लिए उत्पादन करना गैर बाजार क्रिया है।
ii)	इनमें वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन किया जाता है।	ii)	प्राथमिक वस्तुओं का संसाधन करके स्वयं उपभोग किया जाता है।
iii)	उदाहरण – जैसे डॉक्टर इंजीनियर रिक्शा चालक आदि।	iii)	उदाहरण : प्राथमिक उत्पादों का उपभोग तथा अचल संपत्तियों का स्वलेखा।

8. बेरोज़गार वह व्यक्ति है जो कि शारीरिक और मानसिक दृष्टि से कार्य करने के लिए सक्षम है परन्तु रोज़गार से वंचित है।

9. बेरोजगारी वह दशा या अवस्था है जब प्रचलित मजदूरी की दर पर काम करने के इच्छुक लोग रोज़गार प्राप्त नहीं कर पाते।

प्रभाव

(i) बेरोज़गारी के वृद्धि मंदीग्रस्त अर्थव्यवस्था का सूचक है।

(ii) बेरोजगारी में वृद्धि के कारण समाज के जीवन की गुणवत्ता का भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

10. बेरोजगारी तीन प्रकार की होती है।

i) प्रछन्न बेरोज़गारी

ii) मौसमी बेरोज़गारी

iii) शिक्षित बेरोज़गारी

(छात्र प्रत्येक के विषय में लिखें)

11. i) अन्य संसाधन अपना स्वयं का उपयोग नहीं कर सकते मानव–विकास के लिये प्राकृतिक संसाधनों जैसे भूमि मृदा, जल, पेड़–पौधों का प्रयोग करता है।

ii) खनिज और मूल्यवान संसाधन भूमि के नीचे ही दबे रहेगें यदि मानव उन्हें खोद कर न निकाले।

iii) मानव अपने ज्ञान और कौशल से प्राकृतिक संसाधन को मूल्यवान वस्तुओं में परिवर्तन करता है।

iv) शिक्षा, प्रशिक्षण, स्वास्थ्य आदि के द्वारा मानवपूंजी में निवेश अर्थव्यवस्था की प्रगति में योगदान देता है।

v) उदाहरण – जापान ने मानव पूंजी में निवेश कर विशेषतौर पर शिक्षा और स्वास्थ्य में – कुशलता एवं तकनीक द्वारा अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया और देश अमीर हो गया।

12. विभिन्न प्रकार की क्रियाकलापों को तीन प्रकार के प्रमुख क्षेत्रकों में बाँटा जा सकता है:

i) प्राथमिक क्षेत्रक – उदाहरण, कृषि, वानिकी, पशुपालन मत्स्य पालन, मुर्गी पालन और खनिज।

ii) द्वितीयक क्षेत्रक – उदाहरण, लकड़ी चीरने का काम कागज बनाना कपड़ा तैयार करना।

© NCERT not to be republished

iii) तृतीयक क्षेत्रक – उदाहरण, व्यापार, संचार, परिवहन, बैंकिंग, बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य पर्यटन आदि सेवाएँ।

13. साक्षरता प्रत्येक नागरिक का न केवल अधिकार है बल्कि यह नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्यों व अधिकारों का पालन करने व लाभ उठाने का माध्यम भी हैं। जनगणना 2011 के अनुसार भारत की कुल साक्षरता दर 74.04 प्रतिशत हो गई है जिसमें पुरूषों की साक्षरता दर 82.14 प्रतिशत तथा महिलाओं की साक्षरता दर 65.46 प्रतिशत हो गई है।

सरकार द्वारा उठाए गए कदम :–

i) प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में सर्वशिक्षा अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है।

ii) प्राथमिक शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए 'सेतु पाठ्यक्रम' और स्कूल लौटो शिविर प्रारम्भ किए गए।

iii) विद्यालयों में 'दोपहर के भोजन' (मीड–डे–मील) की व्यवस्था की गई।

14. प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्र में विकास की गुजांइश है अधिकाशतः शिक्षित लोग तृतीयक सेवाओं की ओर आकर्षित होते हैं जहाँ नौकरियाँ सीमित हैं अतः शिक्षित युवक डिग्रियाँ होते हुए भी बेरोज़गार हैं। विदेशों में नौकरी पाने वाले इच्छुक युवकों के पास इतनी सुविधाएँ नहीं है कि वह विदेश जा सकें। अतः यह समस्या भारत के लिये जटिल होती जा रही है।

उपाय :–

i) स्कूल और कालेजो में व्यवसायिक विषयों को पढ़ाने लिखने की व्यवस्था शुरू की जा सकती है ताकि वह अपना कोई काम शुरू कर सकें।

ii) औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र (आई.आई.टी) खोले जाएँ ताकि पढ़े लिखे विद्यार्थियों को वहाँ किसी व्यवसाय संबंधी ट्रेनिंग दी जा सके। फिर वह चाहें नौकरी प्राप्त करे या न करें अपना काम खोल सकते हैं।

15. भारत में बेरोज़गारी के कारण

i) बढ़ती जनसंख्या

ii) कृषि क्षेत्र में विकास की धीमी गति

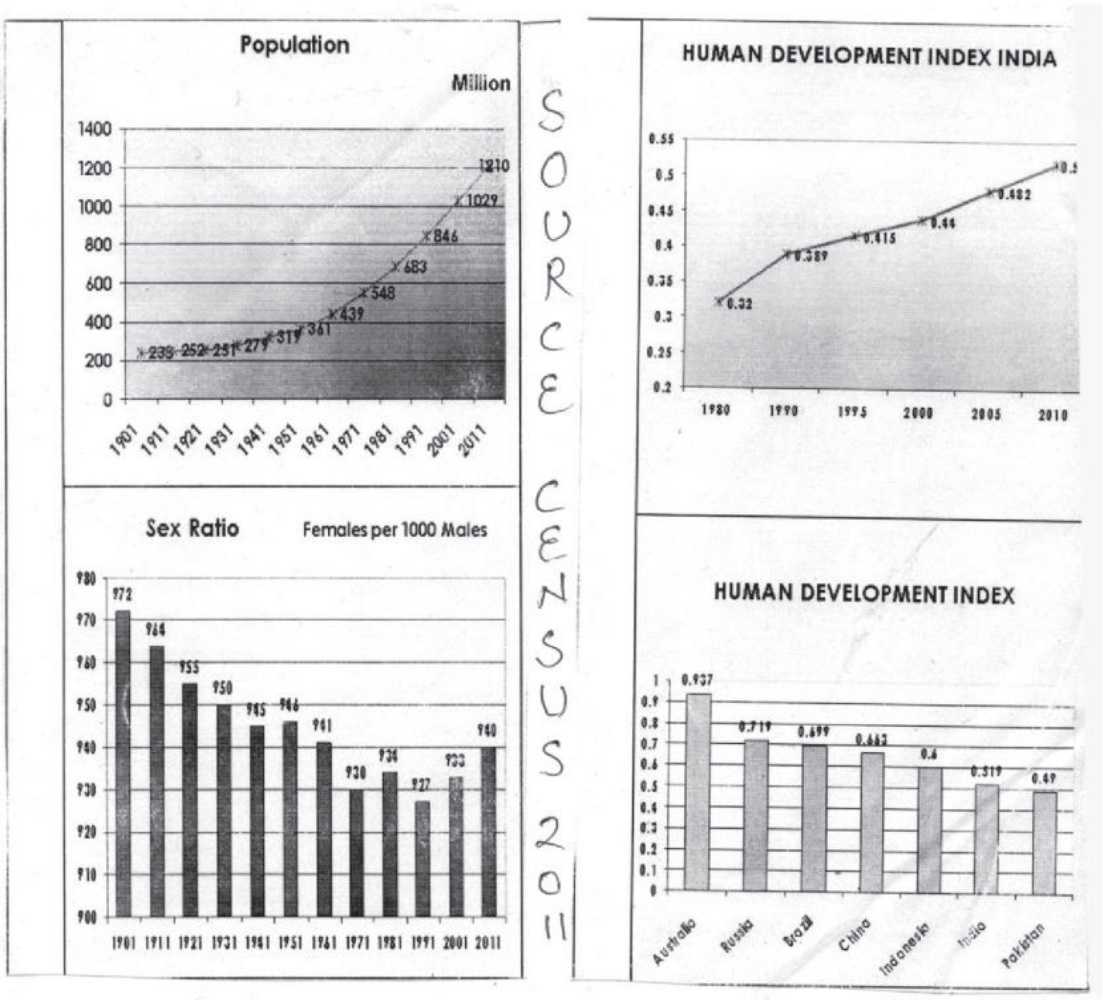
iii) औद्योगिक और सेवा क्षेत्रक सीमित है।

iv) शिक्षा पद्धति व्यवहारिक नहीं है।

v) तकनीकी विकास अव्यवस्थित हैं

vi) ग्रामीण लोगों का शहरों की ओर प्रस्थान।

(कोई पाँच)



SOURCE - CENSUS 2011

Source - CENSUS - 2011

POPULATION CHARACTERISTICS

		1991	2001	2011*
POPULATION	Million	846	1029	1210
Males	,,	439	532	624
Females	,,	407	497	586
Below 14 years	%		35	
Males	,,		36	
Females	,,		35	
Above 60 years	,,		8	
Males	,,		7	
Females	,,		8	
Dependency Ratio	,,		0.09	
Urban population	,,	26	28	
Sex ratio females/ 1000 males		927	933	940
Highest sex ratio(Kerala)				1084
Lowestt sex ratio(Daman & Diu)				618
		1981-91	1991-01	2001-11
Decadal Population	%	23.86	21.54	17.64
Maximum decadal growth rate(D&N Haveli)				25.50
Minimum decadal growth rate(Nagaland)				-0.47
		2007	2008	2009
Birth rate	(per 000)	23.1	22.8	22.5
Death rate	,,	7.4	7.4	7.3
Infant Mortality Rate	,,	55	53	50
Density of population	per Sq. Km	# 273	325	382
Highest population density(NCT of Delhi)				11297
Lowest population density(Arunachal Pradesh)				17
		1999-03	2000-04	2002-06
Expectation of life at birth(years)	Male	61.8	62.1	62.6
	Female	63.5	63.7	64.2

* : figures are provisional

#: excluding Jammu & Kashmir